|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **HARMONY OF THE FOUR GOSPELS** | | | | | | |
| **#** | **Event** | **Matt** | **Mark** | **Luke** | **John** | **Location** |
| 1 | Prologue | 1:1 | 1:1 | 1:1-4 | 1:1-5 |  |
| 2 | Annunciation concerning John |  |  | 1:11-25 |  | Jerusalem S |
| 3 | Annunciation of birth of Jesus Christ | 1:18-25b |  | 1:26-38a |  | Nazareth N |
| 4 | Birth of John and prophesy |  |  | 1:57-80 |  | Judea S |
| 5 | Joseph and Mary go to be taxed |  |  | 2:1-5 |  | Bethlehem S |
| 6 | Jesus Christ is born | 1:25; 2:1b |  | 2:1-20a | 1:1-14c | Bethlehem S |
| 7 | Annunciation to the shepherds |  |  | 2:8-20 |  | Bethlehem S |
| 8 | Taken to temple as a baby |  |  | 2:21-38 |  | Jerusalem S |
| 9 | Wise men; flight to Egypt | 2:1-18 |  |  |  | Bethlehem S |
| 10 | Return to Galilee; Jesus grows | 2:19-23a |  | 2:39-40b |  | Nazareth N |
| 11 | Teaches in temple at age 12 |  |  | 2:41-50 |  | Jerusalem S |
| 12 | Increased wisdom, stature, favor |  |  | 2:51-52 |  | Nazareth N |
| 13 | John preaches | 3:1-1a | 1:1-6b | 3:1-14c |  | Bethabara S |
| 14 | John testifies of Christ | 3:11-17a | 1:7-11c | 3:15-18d | 1:19-36b | Bethabara S |
| 15 | John baptizes; the Beloved Son | 3:13-17a | 1:9-11b | 3:21-22c | 1:28-34 | Bethabara S |
| 16 | The genealogies of Jesus | 1:1-17b |  | 3:23-38a> | 1:1-5, 14c |  |
| 17 | 40 days in wilderness; temptations | 4:1-11a> | 1:12-13c | 4:1-13b |  | Judea S |
| 18 | Meets Andrew and Simon |  |  |  | 1:35-42 | Bethabara S |
| 19 | Finds Philip and Nathanael |  |  |  | 1:43-51 | Bethabara S |
| 20 | Marriage at Cana; water to wine |  |  |  | 2:1-11 | Cana N |
| 21 | \*\*First Passover of ministry\*\* |  |  |  | 2:13, 23 | Jerusalem S |
| 22 | First cleansing of temple |  |  |  | 2:14-22 | Jerusalem S |
| 23 | Visit of Nicodemus; born again |  |  |  | 3:1-21 | Jerusalem S |
| 24 | John imprisoned by Herod Antipas | 4:12 |  | 3:19-20a | 3:24b | Machaerrus SE |
| 25 | Teaches Samaritan woman at well |  |  |  | 4:3-42 | Samaria C |
| 26 | Preaches repentance | 4:17b | 1:14-15a |  |  | Galilee N |
| 27 | Heals nobleman’s son |  |  |  | 4:46-54 | Galilee N |
| 28 | Rejected in own country | 13:54-58b | 6:1-6c | 4:14-30a> | 4:43-44 | Galilee N |
| 29 | Dwelt in Capernaum | 4:13b |  | 4:31a |  | Galilee N |
| 30 | Follow me; fishers of men | 4:18-22c | 1:16-20b> | 5:1-11a> |  | Galilee N |
| 31 | Taught with power and authority |  | 1:21-22a | 4:31-32b |  | Capernaum N |
| 32 | Casts out unclean spirit |  | 1:23-28a | 4:33-37b |  | Capernaum N |
| 33 | Heals Peter’s mother-in-law | 8:14-15c | 1:29-34a | 4:38-39b |  | Bethsaida N |
| 34 | Preaches and heals | 4:23-25a | 1:35-39c | 4:40-44b |  | Bethsaida N |
| 35 | Heals leper | 8:2-4c | 1:40-45b | 5:12-16a |  | Galilee N |
| 36 | Heals man with palsy | 9:2-8c | 2:1-12b | 5:17-26a |  | Capernaum N |
| 37 | Matthew called | 9:9a | 2:13-14c | 5:27-28b |  | Capernaum N |
| 38 | Feast at Matthew’s; calling sinners | 9:10-13a | 2:15-17c | 5:29-32b |  | Capernaum N |
| 39 | The New Law; old bottles | 9:14-17c | 2:18-22b | 5:33-39a |  | Galilee N |
| 40 | Attended Feast |  |  |  | 5:1 | Jerusalem S |
| 41 | Heals at pool of Bethesda, Sabbath |  |  |  | 5:2-15 | Jerusalem S |
| 42 | Enemies try to kill; Father’s work |  |  |  | 5:17-47 | Jerusalem S |
| 43 | Grain on Sabbath; Lord of Sabbath | 12:1-8a> | 2:23-28c | 6:1-5b |  | Galilee N |
| 44 | Withered hand healed on Sabbath | 12:9-14b | 3:1-6a> | 6:6-11c |  | Galilee N |
| 45 | Teaches from ship; heals | 12:15-21b | 3:7-10a |  |  | Galilee N |
| 46 | Spends night praying |  |  | 6:12 |  | Galilee N |
| 47 | Chooses twelve apostles | 10:2-4b | 3:13-19a | 6:13-16c |  | Galilee N |
| 48 | Sermon on the Mount, and Plain | Ch 5 to 7a |  | 6:20-49b |  | Galilee N |
| 49 | Heals centurion’s servant | 8:5-13a |  | 7:1-10b |  | Capernaum N |
| 50 | Raises widow’s son from dead |  |  | 7:11-17 |  | Nain |
| 51 | Praises John the Baptist | 11:2-19a |  | 7:18-35b |  | Galilee N |
| 52 | Upbraids cities; prays | 11:20-30 |  |  |  | Galilee N |
| 53 | Anointed by sinful woman |  |  | 7:36-50 |  | Galilee N |
| 54 | Teaches in many cities |  |  | 8:1-3 |  | Galilee N |
| **HARMONY OF THE FOUR GOSPELS** | | | | | | |
| **#** | **Event - Circumstances** | **Matt** | **Mark** | **Luke** | **John** | **Location** |
| 55 | Heals blind and speechless man | 12:22 |  |  |  | Galilee N |
| 56 | Accused by Pharisees | 12:24-37a | 3:22-30b |  |  | Galilee N |
| 57 | Discourses on sign; Jonah | 12:38-42 |  |  |  | Galilee N |
| 58 | Mother and brethren seek him | 12:46-50a | 3:31-35b | 8:19-21c |  | Galilee N |
| 59 | Parables from ship, sower, etc. | 13:1-52a | 4:1-32b | 8:4-18c |  | Galilee N |
| 60 | Let the dead bury dead | 8:22b |  | 9:57-62a |  | Galilee N |
| 61 | Stills the storm and sea | 8:23-27b | 4:35-41a | 8:22-25c |  | Galilee N |
| 62 | Casts out legion of evil spirits | 8:28-34c | 5:1-20a | 8:26-39b |  | Gadara N |
| 63 | Raises daughter of Jairus | 9:18-20c | 5:22-43b | 8:41-56a |  | Capernaum N |
| 64 | Heals woman with issue of blood | 9:20-22c | 5:25-3b | 8:43-48a |  | Capernaum N |
| 65 | Heals blind according to their faith | 9:27-31 |  |  |  | Capernaum N |
| 66 | More laborers needed | 9:35-38 |  |  |  | Galilee N |
| 67 | Sends forth Twelve | 10:1-42a | 6:7-13c | 9:1-6b |  | Galilee N |
| 68 | John imprisoned, beheaded, prior | 14:3-12b | 6:14-29a | 9:7-9c |  | Galilee N |
| 69 | The Twelve return; rest in desert | 14:13c | 6:30-31a | 9:10b |  | Bethsaida N |
| 70 | \*\*Time of Passover\*\* |  |  |  | 6:1-4 | Bethsaida N |
| 71 | Teaches; feeds 5000 | 14:14-21c | 6:33-44b | 9:11-17d | 6:5-13a | Bethsaida N |
| 72 | Avoids being made king; prays | 14:22-23c | 6:45-46b |  | 6:14-15a | Bethsaida N |
| 73 | Walks on the sea | 14:22-33a | 6:47-52c |  | 6:16-21b | Galilee N |
| 74 | Bread of life sermon |  |  |  | 6:22-71 | Capernaum N |
| 75 | Heals many by touch | 14:34-36b | 6:53-56a |  |  | Galilee N |
| 76 | Cleansing the inside | 15:1-23b | 7:1-23a |  |  | Galilee N |
| 77 | Blesses gentile daughter, faith | 15:21-28b | 7:24-30a |  |  | Tyre/Sidon N |
| 78 | Heals deaf man |  | 7:31-37 |  |  | Decapolis N |
| 79 | Heals many on mountain | 15:29-31 |  |  |  | Decapolis N |
| 80 | Feeds 4000 | 15:32-38b | 8:1-9a |  |  | Decapolis N |
| 81 | Sign seeking; false doctrine | 16:1-12a> | 8:10-21b |  |  | Galilee N |
| 82 | Heals blind man in two stages |  | 8:22-26 |  |  | Decapolis N |
| 83 | Peter testifies Christ is Son of God | 16:13-18a | 8:27-30c | 9:18-22b |  | Decapolis N |
| 84 | Keys that bind | 16:19 |  |  |  | Decapolis N |
| 85 | Foretells death; rebukes Peter | 16:21-23a | 8:31-33b |  |  | Decapolis N |
| 86 | Follow me; sacrifice; works | 1:24-27a | 8:34-38b | 9:23-26c |  | See note N |
| 87 | Transfiguration | 17:1-13a | 9:2-13c | 9:28-36b |  | See note N |
| 88 | Casts evil spirit out of boy | 17:14-21c | 9:14-29a | 9:37-43b |  | Galilee N |
| 89 | Again foretells death, resurrection | 17:22-23a | 9:31-32b | 9:44-45c |  | Galilee N |
| 90 | Tribute money from fish | 17:24-27 |  |  |  | Capernaum N |
| 91 | Humility and service; as a little child | 18:1-5b | 9:33-37a | 9:46-48c |  | Capernaum N |
| 92 | Woe because of offences | 18:6-7a |  | 17:1-2b |  | Galilee N |
| 93 | Cut off sin | 18:7-9b | 9:43-50a |  |  | Galilee N |
| 94 | Witnesses for judgment | 18:18-18 |  |  |  | Galilee N |
| 95 | Two or three gathered, in midst | 18:19-20 |  |  |  | Galilee N |
| 96 | Forgive 70 X 7; unforgiving steward | 18:21-35a |  | 17:3-4b |  | Galilee N |
| 97 | Non-apostle casts out evil spirits |  | 9:38-40b | 9:49-50a |  | Galilee N |
| 98 | Urged to attend Feast of Tab. |  |  |  | 7:1-9 | Galilee N |
| 99 | Rejected by Samaritan village |  |  | 9:51-53 |  | Samaria C |
| 100 | Not sent to destroy but to save |  |  | 9:54-56 |  | Samaria C |
| 101 | Sacrifice required to follow | 8:19-22b |  | 9:57-62a |  | Samaria C |
| 102 | Additional Seventy; return with joy |  |  | 10:1-20 |  |  |
| 103 | The Son as the Father | 11:25-27b |  | 10:21-24a |  |  |
| 104 | Feast of Tab. in secret; teaches |  |  |  | 7:10-31 | Jerusalem S |
| 105 | Living Water vs. Pharisees |  |  |  | 7:32-53 | Jerusalem S |
| 106 | Woman taken in adultery |  |  |  | 8:1-11 | Jerusalem S |
| 107 | Bears record of himself |  |  |  | 8:12-30 | Jerusalem S |
| 108 | Truth makes free; before Abr I AM |  |  |  | 8:31-59 | Jerusalem S |
| 109 | Love Lord; neighbor… Samaritan |  |  | 10:25-37 |  | Jerusalem S |
| 110 | Mary and Martha |  |  | 10:38-42 |  | Bethany S |
| **HARMONY OF THE FOUR GOSPELS** | | | | | | |
| **#** | **Event - Circumstances** | **Matt** | **Mark** | **Luke** | **John** | **Location** |
| 111 | Prayer instructions |  |  | 11:1-13 |  | Judea S |
| 112 | Casting out evil spirits | 9:32-34b |  | 11:14-22a |  | Judea S |
| 113 | He not with me is against me |  |  | 11:23 |  | Judea S |
| 114 | Evil spirit may return with seven | 12:43-46b |  | 11:24-26a |  | Judea S |
| 115 | Rebukes hypocrisy |  |  | 11:27-54 |  | Judea S |
| 116 | Kingdom … before earthy… barns |  |  | 12:13-34 |  | Judea S |
| 117 | Preparing for coming of the Lord |  |  | 12:35-59 |  | Judea S |
| 118 | Parable of barren fig tree |  |  | 13:6-9 |  | Judea S |
| 119 | Heals woman on Sabbath |  |  | 13:10-17 |  | Galilee N |
| 120 | From Galilee to Jerusalem to Perea | 19:1b> | 10:1c | 13:22a> |  | Galilee N |
| 121 | Heals a man born blind |  |  |  | 9:1-41 | Jerusalem S |
| 122 | Parable of the Good Shepherd |  |  |  | 10:1-21 | Judea S |
| 123 | Feast of Ded.; proclaims divinity |  |  |  | 10:22-38 | Jerusalem S |
| 124 | Escapes enemies; to Perea | 19:2-12b | 10:2-12c |  | 10:39-42a | Perea SE |
| 125 | Suffer little children | 19:13-15a | 10:13-16c | 18:15-17b |  | Perea SE |
| 126 | Rich young ruler | 19:16-26c | 10:17-27a | 18:18-27b |  | Perea SE |
| 127 | Sacrifice rewarded; thrones | 19:27-30b | 10:28-31a | 18:28-30c |  | Perea SE |
| 128 | Parable of early and late laborers | 20:1-16 |  |  |  | Perea SE |
| 129 | Who shall be saved with Abraham |  |  | 13:22-30 |  | Perea SE |
| 130 | Told that Herod seeks to kill him |  |  | 13:31-32 |  | Perea SE |
| 131 | Lamentation for Jerusalem |  |  | 13:33-35 |  | Perea SE |
| 132 | Heals man on Sabbath |  |  | 14:1-6 |  | Perea SE |
| 133 | Humility seats at feast |  |  | 14:7-11 |  | Perea SE |
| 134 | Parable about rejecting feast |  |  | 14:12-24 |  | Perea SE |
| 135 | Sacrifice required; rash builder |  |  | 14:25-35 |  | Perea SE |
| 136 | Parable of lost sheep |  |  | 15:1-7 |  | Perea SE |
| 137 | Parable of lost coin |  |  | 15:8-10 |  | Perea SE |
| 138 | Parable of prodigal son |  |  | 15:11-32 |  | Perea SE |
| 139 | Parable of desperate steward |  |  | 16:1-13 |  | Perea SE |
| 140 | Covetousness; abomination |  |  | 16:14-18 |  | Perea SE |
| 141 | Parable of Lazarus and rich man |  |  | 16:19-31 |  | Perea SE |
| 142 | Offences, forgiveness, faith, duty |  |  | 17:1-10 |  | Perea SE |
| 143 | Jesus raises Lazarus from dead |  |  |  | 11:1-46 | Bethany S |
| 144 | Chief priests plan to kill Jesus |  |  |  | 11:47-53 | Jerusalem S |
| 145 | Jesus and disciples go to Ephraim |  |  |  | 11:54 | Ephraim S |
| 146 | Ten lepers healed |  |  | 17:11-19 |  | Samaria C |
| 147 | Coming of the Kingdom of God |  |  | 17:20-37 |  | Galilee N |
| 148 | Parable of prayer and unjust judge |  |  | 18:1-8 |  | Galilee N |
| 149 | Humility; the Pharisee and Publican |  |  | 18:9-14 |  | Galilee N |
| 150 | Prophesy of death and resurrection | 20:17-19c | 10:32-34b | 18:31-34a |  | See note |
| 151 | Greatest are to serve | 20:20-28b | 10:35-45a |  |  | See note |
| 152 | Zacchaeus receives Jesus |  |  | 19:1-10 |  | Jericho S |
| 153 | Parable of the pounds and rebellion |  |  | 19:11-27 |  | Jericho S |
| 154 | Blind men healed | 20:29-34c | 10:46-52a | 18:35-43b |  | Jericho S |
| 155 | \*\*Triumphal entry prior to Passover\*\* | 21:1-11c | 11:1-11d | 19:28-40a | 12:12-19b | Jerusalem S |
| 156 | Curses fig tree | 21:17-19b | 11:12-14a |  |  | Judea S |
| 157 | Weeps over Jerusalem; destruction |  |  | 19:41-44 |  | Jerusalem S |
| 158 | Second cleansing of the temple | 21:12-16a | 11:15-19b | 19:45-48c |  | Jerusalem S |
| 159 | The withered fig tree | 21:17-20b | 11:20-21a |  |  | Judea S |
| 160 | Faith to move mountains | 21:21-22b | 11:22-24a |  |  | Judea S |
| 161 | Questioned his authority | 21:23-27b | 11:27-33a |  |  | Jerusalem S |
| 162 | Parable of two sons | 21:28-32 |  |  |  | Jerusalem S |
| 163 | Parable of wicked husbandmen | 21:33-41a | 12:1-12b | 20:9-19c |  | Jerusalem S |
| 164 | The stone the builders rejected | 21:42-46a | 12:10c | 20:17-18b |  | Jerusalem S |
| 165 | Parable of marriage feast | 22:1-14 |  |  |  | Jerusalem S |
| **HARMONY OF THE FOUR GOSPELS** | | | | | | |
| **#** | **Event - Circumstances** | **Matt** | **Mark** | **Luke** | **John** | **Location** |
| 166 | Render unto to Caesar | 22:15-22a | 12:13-17c | 20:20-26b |  | Jerusalem S |
| 167 | Marriage and the resurrection | 22:23-33a | 12:18-27c | 20:27-39b |  | Jerusalem S |
| 168 | The great commandment | 22:34-40a | 12:28-34b |  |  | Jerusalem S |
| 169 | Enemies silenced | 22:41-46a | 12:34b | 20:40-41c |  | Jerusalem S |
| 170 | Denunciation of Pharisees | 23:1-39a | 12:38-40c | 20:45-47b |  | Jerusalem S |
| 171 | The widow’s mite |  | 12:41-44a | 21:1-4b |  | Jerusalem S |
| 172 | Jesus testifies of his death |  |  |  | 12:20-36 | Jerusalem S |
| 173 | Praise of men |  |  |  | 12:37-43 | Judea S |
| 174 | Relationship with Father |  |  |  | 12:44-50 | Judea S |
| 175 | Jerusalem destruction; 2nd coming | 24:1-31a | 13:1-27b | 21:5-28c |  | Judea S |
| 176 | Parable of fig tree | 24:32-33a | 13:28-29b | 21:29-31c |  | Judea S |
| 177 | No one knows the day | 24:35-44a | 13:31-33b |  |  | Judea S |
| 178 | Faithful and evil servants | 24:45-51a | 1:34-37b | 21:33-36c |  | Judea S |
| 179 | Parable of the ten virgins | 25:1-13 |  |  |  | Judea S |
| 180 | Parable of talents | 25:14-30 |  |  |  | Judea S |
| 181 | Unto least as unto me | 25:31-46 |  |  |  | Judea S |
| 182 | Foretells betrayal; crucifixion | 26:2 |  |  |  | Judea S |
| 183 | Caiaphas conspiracy | 26:3-5a | 14:1-2b | 22:1-2c |  | Jerusalem S |
| 184 | Jesus anointed by Mary | 26:6-13b> | 14:3-9c |  | 12:2-8a> | Bethany S |
| 185 | Judas conspires to betray | 26:12-16a | 14:10-11c | 22:3-6b |  | Bethany S |
| 186 | Beginning last supper | 26:17-19b | 14:12-16a | 22:14-16c |  | Jerusalem S |
| 187 | Sacrament instituted | 26:26-29a | 14:22-25c | 22:15-20b |  | Jerusalem S |
| 188 | Washing of feet |  |  |  | 13:2-5 | Jerusalem S |
| 189 | Peter’s protest |  |  |  | 13:6-10 | Jerusalem S |
| 190 | Do as I have done |  |  |  | 13:13-17 | Jerusalem S |
| 191 | Betrayer identified | 26:21-25b | 14:18-21c | 22:21-23d | 13:18-30a | Jerusalem S |
| 192 | Love one another |  |  |  | 13:31-35 | Jerusalem S |
| 193 | Prophesies arrest, reaction, denial | 26:31-35d | 14:27-31c | 22:31-38b | 13:36-38a | Jerusalem S |
| 194 | Many mansions; another comforter |  |  |  | 14:1-31 | Jerusalem S |
| 195 | The true vine |  |  |  | 15:1-8 | Jerusalem S |
| 196 | Love one another |  |  |  | 15:9-17 | Jerusalem S |
| 197 | Hatred of the world |  |  |  | 15:18-25 | Jerusalem S |
| 198 | Spirit of truth testifies |  |  |  | 15:26-27 | Jerusalem S |
| 199 | Whosoever killeth you…. |  |  |  | 16:1-6 | Jerusalem S |
| 200 | The comforter |  |  |  | 16:7-16 | Jerusalem S |
| 201 | Opposition; joy and sorrow |  |  |  | 16:17-30 | Jerusalem S |
| 202 | Intercessory prayer |  |  |  | 17:1-26 | Jerusalem S |
| 203 | Song; departs for Mount of Olives | 26:30c | 14:26a | 22:39b |  | Jerusalem S |
| 204 | Suffering and prayers | 26:36-46c | 14:32-42b> | 22:40-46a> |  | Judea S |
| 205 | Betrayal with kiss | 26:47-50d | 14:43-46c | 22:47-48b | 18:2-3a | Judea S |
| 206 | Officers fall backward |  |  |  | 18:4-9 | Judea S |
| 207 | Peter defends; ear healed | 26:47-54c | 14:47d | 22:49-53b> | 18:10-11a> | Judea S |
| 208 | Jesus arrested; disciples flee | 26:55-57c | 14:46-52d | 22:52-54a | 18:12b | Judea S |
| 209 | Caiaphas palace hearing | 26:57-68b | 14:53-65a | 22:54c | 18:19-24d | Jerusalem S |
| 210 | Peter’s denial | 26:69-75d | 14:66-72b | 22:55-62c | 18:15-27a | Jerusalem S |
| 211 | Formal trial and condemnation | 27:1c | 15:1b | 22:66-71a |  | Jerusalem S |
| 212 | Death of Judas | 27:3-10 |  |  |  | Jerusalem S |
| 213 | Pilate, first hearing | 27:11-14d | 15:1-5b | 23:1-7bc | 18:28-38a | Jerusalem S |
| 214 | Does not speak to Herod |  |  | 23:8-12 |  | Jerusalem S |
| 215 | Pilate’s wife seeks release of Jesus | 27:19 |  |  |  | Jerusalem S |
| 216 | Pilate, second hearing; Barabbas | 27:15-26a | 15:6-14b | 23:13-22d | 18:39-40c | Jerusalem S |
| 217 | Pilate pleads and washes | 27:23-26a | 15:14-15c | 23:13-25d | 19:4-16b | Jerusalem S |
| 218 | Jesus scourged and mocked | 27:27-30a | 15:16-19b |  | 19:1-3c | Jerusalem S |
| 219 | Carries cross; weep for selves | 27:31-32d | 15:20-21c | 23:26-31a | 19:16-17b | Jerusalem S |
| 220 | Jesus is crucified | 27:33-35c | 15:22-25d | 23:33a | 19:18b | Jerusalem S |
| 221 | Sign saying King of the Jews | 27:37d | 15:26b | 23:38c | 19:19-22a | Jerusalem S |
| 222 | Soldiers cast lots for garments | 27:35c | 15:24b |  | 19:23-24a | Jerusalem S |
| 223 | Father forgive them |  |  | 23:34 |  | Jerusalem S |
| 224 | Mocking; messianic prophesy | 27:39-43a | 15:29-32b | 23:35-37c |  | Jerusalem S |
| 225 | Jesus and thieves | 27:38c | 15:27-28b | 23:39-43a |  | Jerusalem S |
| 226 | Speaks to mother and John |  |  |  | 19:25-27 | Jerusalem S |
| 227 | Darkness for three hours | 27:45b | 15:33a | 23:44-45c |  | Jerusalem S |
| 228 | Forsaken; messianic prophesy | 27:46a | 15:34b |  |  | Jerusalem S |
| 229 | I thirst |  |  |  | 19:28-30 | Jerusalem S |
| 230 | Into thy hands | 27:50d | 15:37c | 23:46a | 19:30b | Jerusalem S |
| 231 | Veil of temple torn | 27:51c | 15:38b | 23:45a |  | Jerusalem S |
| 232 | Earthquake; truly was Son of God | 27:54a | 15:39b | 23:47c |  | Jerusalem S |
| 233 | Side pierced with spear |  |  |  | 19:31-37 | Jerusalem S |
| 234 | Entombment of Jesus | 27:57-61a | 15:42-47d | 23:50-56b | 19:38-42c | Jerusalem S |
| 235 | Guards posted | 27:62-66 |  |  |  | Jerusalem S |
| 236 | Resurrection morning | 28:1-10c> | 16:1-9d | 24:1-12a> | 20:1-18b> | Jerusalem S |
| 237 | Others resurrected | 27:52-53 |  |  |  | Jerusalem S |
| 238 | Guards bribed by chief priests | 28:11-15 |  |  |  | Jerusalem S |
| 239 | Jesus on road to Emmaus |  | 16:12-13b | 24:13-35a |  | Judea S |
| 240 | Jesus appears to apostles | 28:16-17d | 16:14c | 24:36-48a | 20:19-23b | Jerusalem S |
| 241 | Jesus appears again; Thomas |  |  |  | 20:24-29 | Jerusalem S |
| 242 | Appearance by the sea |  |  |  | 21:1-14 | Galilee N |
| 243 | Peter to feed lambs |  |  |  | 21:15-19 | Galilee N |
| 244 | John to tarry |  |  |  | 21:20-23 | Galilee N |
| 245 | Books could not contain |  |  |  | 21:24-25 |  |
| 246 | Commission and ascension | 28:16-20a | 16:15-20c | 24:49-53b |  |  |
| [**eric@ericdrichards.com**](mailto:eric@ericdrichards.com) **adapted from “Concise Harmony of the Four Gospels” by Gene VanShaar** | | | | | | |